डा0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

प्रेस विज्ञप्ति

(निःशुल्क प्रकाशनार्थ) दिनांक 20.12.2017

आज दिनांक 20 दिसम्बर 2017 को डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद के एम0टी0ए0 विभाग (पर्यटन विभाग) द्वारा नयाधाट, अयोध्या में सरयू नदी के तट पर नाविकों का प्रशिक्षण शिविर एव नौकायन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में सर्व प्रथम विभागाध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह, इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा मुख्य अतिथि श्रीराम बल्लभाकुंज के अधिकारी, श्री राजकुमार दास जी का माल्यापर्ण एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। ततपश्चात् कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री शक्ति सिंह का स्वागत किया एवं अन्य विशिष्ठ अतिथि श्री बृजपाल सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, फैजाबाद मण्डल का स्वागत प्रो0 सिंह द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया गया। विभागाध्य क्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह द्वारा स्वागत के उपरांत शिविर में उपस्थित सभी गणमान्य व्याक्तियों का स्वागत अपने सम्बोधन में किया, सभी को बताया कि ऐसे कार्यक्रम का उद्देश्य अयोध्या को पर्यटन क्षेत्र में उचित स्थान दिलाने का है। प्रो0 सिंह ने उपस्थिति लोंगों को बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातक एंव परास्नातक दोनों स्तर पर पर्यटन की पढाई होती है और यहॉ को छात्र अयोध्या में पर्यटन को बढाने के लिए दिन प्रतिदिन तैयारी कर रहे हैं, यह भी बताया कि गतवर्ष से हेरिटेज मैनेजमेंट का कोर्स भी विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किया जायेगा, जिससे अयोध्या – फैजाबाद के हेरिटेज क्षेत्र का भी विकास किया जायेगा। स्वागतोपरान्त प्रो0 सिंह ने नाविकों को प्रशिक्षित करते हुए कहा कि उन्हें सर्वप्रथम अपने आचरण में परिवर्तन लाना होगा, अपनी साफ–सफाई के साथ नाव में भी सफाई का ध्यान देना अतिआवश्यक है। नाव में सुरक्षा प्रबन्ध भी करना होगा जिससे नाव पर बैठने वाले हर व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करे। नाविकों को प्रशिक्षित करते हुए उन्होनें कहा कि नशा इत्यिादि को छोडना होगा जिससे परिवारिक आय बढने के साथ स्वास्थ में भी सुधार होगा।

उसके बाद विशिष्ठ अतिथि श्री शक्ति सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रो0 अजय प्रताप सिंह का यह प्रयास बडा ही सराहनीय है, अयोध्या को पर्यटन के द्वष्टिकोंण से विकसित करने के लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। उन्होनें ने भी नाविकों से अपनी साफ–सफाई पर विशेष ध्यान देने के कहा, जिससे अयोध्या में आने वाला प्रत्येक पर्यटक यहॉ के लोंगों के प्रति एक अच्छी छवि लेके जायेंगा।

उसके बाद विशिष्ठ अतिथि क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, फैजाबाद मण्डल, श्री बृजपाल सिंह ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रो0 अजय प्रताप सिंह का अयोध्या में पर्यटन को बढावा देने का यह अनोखा प्रयास बहुत ही सराहनीय है, उ0प्र0 पर्यटन विभाग की तरफ से अयोध्या को पर्यटन के द्वष्टि से बढावा देने में जो भी सहयोग चाहेंगें मै सदैव तत्पर रहूॅगा। नाविकों को प्रशिक्षित करते हुए कहा कि नाव में उन्हें डस्टबिन इत्यिादि रखना होगा, जिसका उपयोग वह स्वयं और पर्यटक कर सकेगें। नाविकों को यह भी आश्वासन दिया कि उन्हें पर्यटन विभाग की तरफ से जो भी सहयोग चाहिए उन्हें वह अपने स्तर से उपलब्ध करायेंगे।

प्रशिक्षण शिविर के अंत में मुख्य अतिथि श्री राजकुमार दास जी ने प्रथम कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करतें हुए शपथ दिलाते हुए कहा कि आज हम सभी पूर्ण सलिला मॉ सरयू के तट पर स्वच्छता अभियान को बढावा देने के लिए कटिबध हैं और हम सभी से जितना हो सकेगा स्वच्छता बढावा देने का कार्य करते रहेंगे। आदरणीय महन्त जी ने अपने सम्बोधन में सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को अर्शीवचन देते हुए कहा कि प्रो0 अजय जी का अयोध्या के प्रति यह लगाव देखकर अति प्रसन्नता होती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास के साथ ही यहॉ के लोगों का विकास होगा,

और यहॉ का विकास पर्यटन पर काफी निर्भर करता है। यदि पर्यटन विकसित होगा तो यहॉ के लोग स्वतः ही विकसित हो जायेंगे। पर्यटन के विकास में वहॉ की स्वच्छता, लोगों का आचरण, ईमानदारी एवं सहयोग की भावना पर निर्भर करती है। अतः सभी लोगों को अपने आचार–विचार को विकसित करने की आवश्यकता जिसे विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय का पर्यटन विभाग निरन्तर प्रयासरत है और मेरा उनको आर्शीवाद है कि वहॉ के बच्चे अपने उच्च कैरियर को प्राप्त करें, जहॉ भी रहें अयोध्या को विकसित करने में अपना सहयोग सदैव प्रदान करते रहें।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में सरयू नदी के तट पर पर्यटन को विकसित करने का प्रयास बहुत ही उचित है क्योंकि बंद कमरे में पर्यटन को बढावा देने पर विचार धरातल से दूर होता है। अयोध्या में नाविक एवं पंडों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है, यदि इन्हें समय समय पर प्रशिक्षित किया जायेगा तो वह आधुनिक टैक्नोलाजी से परिचित होगें और उसका भरपूर उपयोग पर्यटन को विकसित करने के लिए कर सकेंगे। कुलपति जी ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता प्रतिवर्ष कराने का प्रयास रहेगा, जिसके लिए उ0प्र0 पर्यटन विभाग एवं भारत पर्यटन विभाग से सहयोग भी लिया जायेगा तथा कार्यक्रम को और भी वृहद बनाया जायेगा इसको पहले राष्ट्रीय एवं फिर अन्तराष्ट्रीय दर्जा दिलाने का प्रयास किया जायेगा। उन्होनें कहा कि समय समय पर ऐसी प्रतियोगितॉए विश्वविद्यालय का पर्यटन विभाग आयोजित करता रहे, इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर जो भी सहयोग की आवश्यकता होगी उसके लिए मै 24 घण्टे उपलब्ध हूँ।

प्रशिक्षण शिविर के उपरान्त कुलपति प्रो0 मनोज दीक्षित जी ने झण्डी दिखाकर नौकायन प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। प्रतियोगिता में कुल 15 नावों ने प्रतिभाग किया। इन नावों को चप्पू द्वारा चलाया गया। यह प्रतियोगिता केरल में होनें वाली नेहरू वोट रेस को आधार रख कर आयोजित कराया गया, इसका उद्देश्य था कि सरयू में होने वाली नौकायन को और भी आकर्षित बनाया जा सकें, जिसके कारण पर्यटक अयोध्या आऍ एवं नौकायन का आनन्द लें सकें।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रू0 3100/– श्री डब्लू मांझी और श्री अन्नू मांझी ने प्राप्त किया, द्वितीय पुरस्कार रू0 2100/– श्री अमर जीत एवं श्री राम जियावन ने प्राप्त किया तथा तृतीय पुरस्कार रू0 1100/– श्री अजय मांझी एवं श्री प्रदीप मांझी ने माननीय कुलपति जी द्वारा प्राप्त किया। प्रथम पुरस्कार विजेता को महन्थ श्री राजकुमार दास जी ने अपने तरफ से रू0 2000/– का अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कार्यपरिषद के सदस्य श्री ओम प्रकाश सिंह, प्रो0 श्रीराम विश्वकर्मा, डॉ0 संजय चौधरी, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 शैलेन्द्र कुमार, डॉ0 अनिल यादव, डॉ0 सुधीर प्रकाश, डॉ0 अजय मोहन श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 आदित्य प्रकाश सिंह, संन्तोष कौशल, डॉ आलोक मिश्रा एवं डॉ0 मृदुला पाण्डेय, डॉ0 अभिषेक मौर्या, डॉ0 महेन्द्र पाल सिंह आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विभागीय छात्र/छात्रॉए अंशुमान, रोहित पाल, कार्तिकेय, गुलाब, रोहित, राज चौधरी, राजनाथ, ज्योति, अनुराधा, प्रियांजलि, आकांक्षा, वर्षा माला दिव्या के साथ शोध छात्र/छात्रॉओं ने इस प्रतियोगिता का आनन्द लिया।

(प्रो0 अजय प्रताप सिंह)

विभागाध्यक्ष